Ch-5

कर्ण का मित्र-प्रेम

Date ______
Page ______

• कम-से-कम शब्दों में उत्तर दीजिए —

क. कर्ण किसका ऋणी है ?

Ans. कर्ण दुर्योधन का ऋणी है।

ख. कृष्ण को कौन क्या बता रहा है ?

Ans. कृष्ण को कर्ण क्या बता रहा है।

ग. तन, मन, धन कर्ण ने किसे समर्पित किया है

Ans. तन, मन, धन कर्ण ने दुर्योधन को समर्पित किया है।

घ. कवि के अनुसार कौन-सा धर्म श्रेष्ठ है ?

Ans. कवि के अनुसार मित्र-धर्म श्रेष्ठ है।

लिखित —

1. भाव स्पष्ट कीजिए —

मित्रता बड़ा अनमोल रतन कब इसे तोल सकता है धन ? धरती की तो है क्या बिसात ? आ जाए

अगर बैकुंठ हाथ, उसको भी न्यौछावर कर दूं, कुरुपति के चरणों पर धर दूं।

Ans- इस पद्यांश में कवि रामधारी सिंह 'दिनकर' ने मित्र के प्रति अटल प्रेम को व्यक्त करते हुए कहा है कि मित्रता एक ऐसा रत्न है जिसका मूल्य नहीं आँका जा सकता है। कर्ण ने मित्रता का महत्व देते हुए श्रीकृष्ण से कहा है कि जमीन की बात छोड़ दीजिए। यदि स्वर्गलोक भी मुझे मिल जाए तो उसे भी मैं दुर्योधन के चरणों में समर्पित कर दूँगा।

2. रिक्त स्थान भरिए -

है ऋणी कर्ण का रोम-रोम,

जानते सत्य यह सूर्य सोम।

तन, मन, धन दुर्योधन का है,

यह जीवन दुर्योधन का है

सुरपुर से भी मुख मोड़ूँगा,

केशव, मैं उसे न छोड़ूँगा।

ख) अनमोल रतन — विशेषण

ग) सत्य वचन — विशेषण

घ) छायादार वृक्ष — विशेष्य

ङ) विशाल धरती — विशेषण

२. पर्यायवाची ~~शब्द~~ शब्द लिखिए —

क) स्नेह — प्यार, प्रीति

ख) धन — संपत्ति, संपदा

ग) तरु — पेड़, वृक्ष

घ) धरती — धरा, पृथ्वी

३) अर्थ लिखकर वाक्य बनाओ :—

क. सुरपुर (स्वर्गलोक) — राम के वन गमन के बाद राजा दशरथ सुरपुर सिधार गए।

ख. गुनना (सोचना - विचारना) - किसी भी कार्य को करने से पहले हमें उसके विषय में गुनना चाहिए ।

ग. मुख मोड़ना (किसी भी ओर ध्यान न देना) - अच्छे कार्य से हमें मुख नहीं मोड़ना चाहिए ।

घ. न्योछावर करना (समर्पित करना) - देश की रक्षा के लिए हमें अपना प्राण न्योछावर कर देने चाहिए ।

ङ. कुठार चलाना (किसी पर आघात करना) - सज्जन लोगों पर कुठार चलाना अनैतिक होता है ।

शब्दार्थ -

गुनना - सोचना, विचार करना (to assimilate)

सोम - चंद्र (moon)

सुरपुर - स्वर्ग (heaven)

तरु - वृक्ष, पेड़ (tree)

कुठार - कुल्हाड़ी (axe)

अनमोल - अमूल्य (precious)

रत्न - रत्न (gem)

बिसात - दक्षता, शक्ति, सामर्थ्य (capacity)

न्योछावर - अर्पण, कुर्बान (sacrifice)